MASA–04

December – Examination 2021

M.A. (Previous) Examination

SANSKRIT

भारतीय काव्यशास्त्र एवं व्याकरण

Paper : MASA-04

Time : 1½ Hours] [*Maximum Marks : **80***

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ' और 'ब' दो खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ **4×4=16**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार, एक वाक्य, एक शब्द या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 4 अंकों का है।

1. (i) साहित्यदर्पण में मंगलाचरण में किस देवता की आराधना है ?

   (ii) आचार्य वामन किस सम्प्रदाय के प्रवर्तक हैं ?

(iii) काव्यप्रकाश अनुसार उत्तम काव्य का लक्षण लिखिए।

(iv) भरत के नाट्यशास्त्र के अनुसार भारतीय वृत्ति की परिभाषा लिखिए।

(v) रुढिलक्षणा किसे कहते हैं ?

(vi) काम्यच्च सूत्र का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

(vii) भावयति पद में प्रकृति प्रत्यय को स्पष्ट कीजिए।

(viii) रीति किसे कहा जाता है ?

खण्ड—ब **4×16=64**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 16 अंकों का है।

2. निम्नलिखित में से किसी एक श्लोक की सप्रसंग व्याख्या हिन्दी भाषा में कीजिए :

(अ) संयोगो विप्रयोगश्च साहचर्यं विरोधिता।

अर्थः प्रकरणं लिङ्गं शब्दस्यान्यस्यान्निधिः॥

अथवा

(ब) धर्मार्थकाममोक्षेषु वैचक्षण्यं कलासु च।

करोति कीर्तिं व प्रीतिं च साधुकाव्य निबन्धनम्॥

3. स्थायीभाव किसे कहते हैं ? स्थायी भावों का वर्णन कीजिए।

4. साधारणीकरण व्यापार क्या है ? सप्रमाण विवेचन कीजिए।

5. नाटक के उत्पत्ति विषयक विविध मतों की समीक्षा कीजिए।

6. अनुमितिवाद की समीक्षा कीजिए।

7. चतुरस्र नाट्यमण्डप का आकार एवं परिमाप का वर्णन कीजिए।

8. वाक्यार्थ निर्णय में अभिहितान्वयवाद एवं अन्विताभिधानवाद की भूमिका स्पष्ट कीजिए।

9. साहित्यदर्पण अनुसार काव्य लक्षण की व्याख्या कीजिए।